सुविचार

खुद का अपमान कराके जीने से तो अच्छा मर जाना है क्योंकि प्राणों के त्यागने से केवल एक ही बार कष्ट होता है पर अपमानित होकर जीवित रहने से आजीवन दुःख होता है।

-चाणक्य

# हैलो सरकार

जनता की भावनाओं एवं आकांक्षाओं का एकमात्र समाचार-पत्र

पल-पल की टी.वी. एवं रेडियो खबरों के लिए लॉन ऑन करें- www.hellosarkar.com

हैलो सरकार समाचार पत्र में नियमित पाठक बनने, समाचार की प्रति मंगवाने व विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें
फोनः 0141-2202717
मोः 9214203182
वाट्सप नं. 9928078717

वर्ष-23 | अंक-239 | दैनिक प्रभात संस्करण | जयपुर, शनिवार 03 मई , 2025 | पृष्ठ-4 | मूल्यः 2.50


## लोक सेवक प्रशासन के कर्णधार, राष्ट्र निर्माण में लोक सेवक की अहम भूमिका-मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा में राजस्थान के चयनित अभ्यर्थियों का सम्मान कर बधाई दी और विश्वास व्यक्त किया है कि वे सभी अमृत काल के योद्धा के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में अपना योगदान देंगे तथा उत्कृष्ट लोक सेवा के माध्यम से हमेशा राजस्थान का नाम देशभर में रोशन करेंगे।

शर्मा ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार ने पिछले वर्ष से चयनित प्रतिभाओं के सम्मान की पहल की है। देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक माने जाने वाली यह परीक्षा पास करके प्रदेश के युवाओं ने अपने माता-पिता के साथ ही क्षेत्र और पूरे प्रदेश का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि इस सफलता के बाद जीवन में बेहतर कार्य करते हुए परिजनों की खुशी के भाव को जीवन में आगे भी बनाएं रखें।

**दृढ़ संकल्प व मेहनत से मिलती है सफलता**

मुख्यमंत्री ने 'कर्ता के आगे हारे करतार' उक्ति का उल्लेख करते हुए कहा कि किसी भी कार्य में सफलता पाने के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ता है तथा दृढ़ संकल्प के साथ की गई मेहनत से सफलता अवश्य मिलती है। उन्होंने कहा कि इस प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता के बाद भी चयनित युवाओं के जीवन में नए परिश्रम का दौर शुरू होगा। क्योंकि राष्ट्र निर्माण और गरीब कल्याण में लोक सेवक की महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं। उन्होंने जीवन में विनम्रता एवं धैर्य को अपनाते हुए आमजन की आकांक्षाओं को पूरा करने का आह्वान किया।

**लोक सेवा के जरिए देशभर में बढ़ाएं प्रदेश का गौरव**

शर्मा ने कहा कि लोक सेवक प्रशासन के कर्णधार हैं तथा लोक सेवा का महत्व हमारे समाज और राष्ट्र के लिए असीमित है। इसलिए लोक सेवकों का नवाचारी होना महत्वपूर्ण है, ताकि आम लोगों को बेहतर नागरिक-केंद्रित सेवाएं प्रदान की जा सकें। उन्होंने आह्वान किया कि हमारे प्रदेश की मिट्टी ने हमेशा से वीरों, विद्वानों और कर्मठ लोगों को जन्म दिया है और अब वे सभी भी अपनी सेवा के माध्यम से गौरवमयी मिट्टी की खुशबू को फैलाएं और कर्मभूमि के साथ ही जन्मभूमि से जुड़े रहे।

समारोह में मुख्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सिविल सेवा में चयनित प्रतिभाओं के सम्मान की इस पहल से प्रदेश के होनहारों को प्रेरणा मिल रही है। उन्होंने कहा कि लोकसेवक के रूप में देश और समाज की सेवा का सौभाग्य चुनिंदा लोगों को ही मिल पाता है। महानिदेशक पुलिस ने कहा कि अपने सेवाकाल में हमेशा गरीब कल्याण को प्राथमिकता दें और अपनी सफलता में माता-पिता और परिजनों के योगदान को कभी नहीं भूले।

समारोह में जयपुर निवासी दृष्टिबाधित मनु गर्ग ने मुख्यमंत्री से संवाद करते हुए बताया कि उन्होंने दृष्टिबाधित होने के बावजूद सिविल सेवा परीक्षा में देशभर में 91वां स्थान हासिल किया है। उन्होंने अपनी इस सफलता का मूल मंत्र अपनी माताजी के संकल्प को बताया। वहीं देशभर में 20वां स्थान हासिल करने वाले जोधपुर निवासी त्रिलोक सिंह ने बताया कि लोक सेवक के रूप में वे भारतीय सेना में सेवा दे चुके अपने पिता द्वारा दी गई प्रेरणा को आगे बढ़ाएंगे।

मुख्यमंत्री ने चयनित प्रतिभाओं को शॉल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। कार्यक्रम के अन्त में मुख्यमंत्री के साथ चयनित युवाओं का सामूहिक फोटो सेशन भी हुआ। इस अवसर पर राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी एवं यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में चयनित अभ्यर्थी मौजूद रहे।

## उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किया बाल विवाह मुक्त राजस्थान अभियान का शुभारंभ

जयपुर। राज्य में बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराई को खत्म करने के लिए राजस्थान सरकार द्वारा चलाए जा रहे प्रयासों के तहत उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने 'बाल विवाह मुक्त राजस्थान' अभियान की शुरुआत की है।

उपमुख्यमंत्री द्वारा अभियान का नया लोगो और थीम सॉन्ग भी जारी किया गया है। यह लोगो और सॉन्ग लोगों को भावनात्मक रूप से जोड़ते हुए बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने और अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित करेगा। इस लॉन्च के साथ, राजस्थान सरकार ने यह स्पष्ट किया है कि हर बच्चे को सुरक्षा, शिक्षा और सम्मान देना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। अभियान के तहत सतर्क निगरानी, सामुदायिक भागीदारी और सरकार की त्वरित कार्रवाई को बढ़ावा दिया जाएगा।

अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका ने बताया कि राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग और बाल अधिकार विभाग (ष्ठष्टक्र) की ओर से नागरिकों से अपील की गई है कि यदि कहीं बाल विवाह की आशंका हो तो तुरंत चाइल्डलाइन 1098 या महिला हेल्पलाइन 181 पर जानकारी दें।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग (ऋष्टष्टक्र) और बाल अधिकार विभाग के सहयोग से एक राज्य स्तरीय ओरिएंटेशन कार्यशाला भी आयोजित की गई, जिसमें बाल कल्याण समितियों, बाल संरक्षण इकाइयों, शिक्षकों, पुलिस अधिकारियों और सामाजिक संगठनों सहित 400 से अधिक लोगों ने भाग लिया। उक्त कार्यशाला का समापन बाल अधिकार विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका की उपस्थिति में शपथ ग्रहण के साथ हुआ। इसमें सभी ने बाल विवाह को रोकने और हर बच्चे को सुरक्षित भविष्य देने का संकल्प लिया।

### नई शिक्षा नीति विकसित भारत और विश्वगुरु भारत बनाने में महत्वपूर्ण-राज्यपाल

बांसवाड़ा। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शुक्रवार को गोविन्द गुरू जनजातीय विश्वविद्यालय-बांसवाड़ा में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में कहा कि भारतीय प्राचीन ज्ञान विश्व को आधुनिक दृष्टि प्रदान करने वाला है। उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़ी नई शिक्षा नीति के जरिए विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता विकास के साथ उनमें रचनात्मक गुण विकसित किए जाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति भारत को विकसित राष्ट्र ही बनाने में महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि इसके जरिए फिर से देश विश्व गुरु बनेगा। उन्होंने नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में शिक्षक और शिक्षण संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका बताते हुए कहा कि आचार्य वह है जो अपने आचरण से आदर्श प्रस्तुत करे।

## पुण्य मास में नौ दिवसीय सीताराम महायज्ञ शुरू-सैकड़ों महिलाओं ने निकाली कलश यात्रा

मीनेश चन्द्र मीना
हैलो सरकार ब्यूरो प्रमुख

चाकसू। जयपुर जिले के तहसील चाकसू के ग्राम तामडिया में स्थित श्रीराम धाम आश्रम में 108 श्री सीताराम महायज्ञ का शुभारंभ हो गया है। यह आयोजन शुक्रवार से शुरू हुआ। गौस्वामी श्री नारायण देवाचार्य जी महाराज के सान्निध्य में यह कार्यक्रम हो रहा है। यह श्री श्री 1008 धन्नापिवधीश्वर स्वामी श्री बजरंग देवाचार्य जी महाराज की तपोभूमि पर आयोजित किया जा रहा है।

**महिलाओं ने 2 किलोमीटर लंबी निकली कलश यात्रा -**

महायज्ञ की शुरुआत में सैकड़ों महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में

शामिल हुईं। उन्होंने सिर पर कलश धारण कर करीब 2 किलोमीटर लंबी यात्रा निकाली। गाजे-बाजे और भक्ति गीतों के साथ यह यात्रा गांव की मुख्य गलियों से होकर आश्रम परिसर तक पहुंची। कलश यात्रा में ग्रामवासी और आसपास के श्रद्धालु भी शामिल हुए।

**9 दिन तक चलेगा महायज्ञ में वेदपाठ -**

नौ दिन चलने वाले इस महायज्ञ में रोज वेदपाठ होगा। रामकथा, हवन और प्रवचन भी आयोजित किए जाएंगे। भक्तों के लिए प्रसाद और भंडारे की व्यवस्था की गई है। यह आयोजन 10 मई 2025 तक चलेगा। आश्रम समिति के मुताबिक यह महायज्ञ धार्मिक आस्था का प्रतीक है। साथ ही यह सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक चेतना का माध्यम भी बन रहा है।

### जल जीवन मिशन घोटाला मामला

## पूर्व मंत्री महेश जोशी को तीन दिन की अंतरिम जमानत

जयपुर। जल जीवन मिशन में 979 करोड़ के कथित घोटाले से जुड़े मामले में न्यायिक हिरासत में बंद पूर्व मंत्री महेश जोशी को श्वष्ठ मामलों की विशेष अदालत ने तीन दिन की अंतरिम जमानत दी है। अदालत ने यह राहत 8 मई से 10 मई तक के लिए दी है। जोशी को 11 मई की सुबह 8 बजे तक आत्मसमर्पण करना होगा। विशेष अदालत के जज खगेन्द्र कुमार शर्मा ने यह आदेश दिए। दरअसल, महेश जोशी ने अपनी पत्नी के अंतिम संस्कार के

बाद होने वाले पारंपरिक रीति-रिवाजों में शामिल होने के लिए 9 दिन की अंतरिम जमानत की याचिका दायर की थी। अधिवक्ता दीपक चौहान के माध्यम से दायर याचिका पर सुनवाई के बाद अदालत ने उन्हें तीन दिन की मोहलत दी। इससे पहले, पत्नी के निधन पर उन्हें 28 अप्रैल को चार दिन की अंतरिम जमानत दी गई थी। अब वह पुनः 8 से 10 मई तक जेल से बाहर रह सकेंगे। फिलहाल जोशी सेंट्रल जेल में न्यायिक हिरासत में हैं।

## डॉ. गिरिजा व्यास को वैदिक सम्मान के साथ दी गई अंतिम विदाई

### महिला पुरोहित ने पढ़े संस्कार मंत्र

उदयपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री, वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री और उदयपुर की गौरवशाली बेटी डॉ. गिरिजा व्यास का शुक्रवार को वैदिक रीति-रिवाजों के साथ अंतिम संस्कार किया गया। दैत्य मगरी स्थित आवास से उनकी अंतिम यात्रा सायं 4:15 बजे रवाना हुई और अशोकनगर मोक्षधाम में आर्य समाज की विधियों के अनुसार सम्मानपूर्वक विदाई दी गई।

जीवन भर नारी सशक्तिकरण की पक्षधर रहीं डॉ. व्यास की अंतिम

यात्रा भी उनके विचारों की ही प्रतिनिधि बनी। आर्य समाज की वैदिक परंपराओं के अनुसार हुए अंतिम संस्कार में महिला पुरोहित सरला गुप्ता ने मंत्रोच्चार किया और अंतिम क्रियाएं संपन्न कराईं। पार्थिव देह को उनके भतीजे ने मुखाग्नि दी।

**'गिरिजा व्यास अमर रहें' से गूंजा शहर**

अंतिम यात्रा के दौरान पूरे मार्ग पर हजारों लोग भावभीनी श्रद्धांजलि देने पहुंचे। 'गिरिजा व्यास अमर रहें', 'जब तक सूरज चांद रहेगा, गिरिजा जी का नाम रहेगा', और 'भारत माता की जय' जैसे नारों से वातावरण गुंजायमान रहा। जगह-जगह पुष्प वर्षा की गई और नागरिकों ने सड़क किनारे खड़े होकर अंतिम दर्शन किए।

डॉ. व्यास की अंतिम यात्रा में न सिर्फ उदयपुर बल्कि दिल्ली, जयपुर और देशभर से गणमान्यजन पहुंचे। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत,

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, सांसद मन्नालाल रावत, विधायक ताराचंद जैन, फूलसिंह मीणा, पूर्व विधायक त्रिलोक पूर्बिया, भाजपा नेता गजपाल सिंह राठौड़ और पारस सिंघवी सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। इस दौरान अशोक गहलोत ने पार्थिव देह को कंधा दिया और उन्हें 'सिद्धांतों पर टिके राजनीतिक जीवन की मिसाल' बताया। गोविंद सिंह डोटासरा ने उन्हें 'कांग्रेस विचारधारा की सशक्त वाहक' कहा।

**राजीव गांधी के कहने पर चुनी थी राजनीति की राह**

डॉ. गिरिजा व्यास मूलतः शिक्षाविद थीं, लेकिन राजीव गांधी के आग्रह पर उन्होंने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की। वे विधायक, सांसद, केंद्रीय मंत्री, राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष जैसे पदों पर रहीं और हर भूमिका में प्रभावशाली कार्य किया।

**नारी शक्ति के नेतृत्व में नारी शक्ति को अंतिम विदाई**

अंतिम संस्कार की सबसे उल्लेखनीय बात यह रही कि सरला गुप्ता ने महिला पुरोहित के रूप में मंत्रोच्चार किया, जो कि सामाजिक संदेश देता है कि अब अंतिम संस्कार जैसी पारंपरिक विधियों में भी नारी सहभागिता को स्थान मिल रहा है। यह डॉ. व्यास के जीवन के विचारों के अनुरूप ही था। डॉ. व्यास की विदाई में न केवल कांग्रेस बल्कि भाजपा और अन्य संगठनों के नेताओं की भागीदारी ने स्पष्ट कर दिया कि वे दलों से ऊपर उठकर सभी की प्रिय रहीं। उनकी सादगी, सेवाभाव और सशक्त विचारधारा ने उन्हें विशेष पहचान दी, जो आने वाले वर्षों तक याद की जाएगी।

## गिरफ्तार हुए सांसद हनुमान बेनीवाल

मीनेश चंद्र मीना
हैलो सरकार ब्यूरो प्रमुख

जयपुर। भ्रष्टाचार के शिकंजा में फंसा राजस्थान लोक सेवा आयोग के पुनर्गठन और सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा को रद्द करने समेत युवाओं की लंबित मांगों को लेकर शुक्रवार को राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सांसद हनुमान बेनीवाल ने मुख्यमंत्री आवास की ओर कूच करते समय जयपुर पुलिस ने हिरासत में लिया।

**समर्थकों के साथ हनुमान बेनीवाल ने दी गिरफ्तारी -**

गौर तलब है कि सांसद हनुमान बेनीवाल जब मुख्यमंत्री आवास की ओर कूच कर रहे थे तभी जयपुर पुलिस ने उन्हें कमिश्नरेट के बाहर रोक लिया। यहां बेनीवाल पहले अपने समर्थकों के साथ धरने पर बैठ गए। इसके बाद वह जैसे ही बेनीवाल अपने समर्थकों के साथ कूच करने के लिए आगे बढ़ने लगे। पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया है। फिलहाल जयपुर पुलिस हनुमान बेनीवाल और उनके समर्थकों को सांगानेर सदर थाने लेकर पहुंची है। जहां बेनीवाल और उनके समर्थक सरकार के खिलाफ विरोध कर रहे हैं।

**सरकार के कानों में जू तक नहीं रेंग रही है -**

सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा- पिछले 7 दिनों से हम राजस्थान लोक सेवा आयोग के पुनर्गठन और सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा रद्द करने जैसे युवाओं की मांगों को लेकर जयपुर में धरना दे रहे हैं। सरकार के कानों में जू तक नहीं रेंग रही है। राजस्थान लोक सेवा आयोग के दो सदस्य जेल में है। सब-इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा के फर्जी अभ्यर्थियों को स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप लगातार पड़ रही है। सरकार के मंत्रियों के नाम आने के बाद सरकार इस मामले को दबाने की कोशिश कर रही है।

**कांग्रेस कार्यकाल की भर्तियों की सीबीआई जांच हो**

सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में जितनी भी भर्तियां हुई थी। उन सब में धांधली हुई है। हम चाहते हैं कि उन सब की सीबीआई से जांच होनी चाहिए। राजस्थान में शैक्षणिक व्यवस्था पूरी तरह से चौपट हो गई है। विश्वविद्यालय को फर्जी तरीके से जमीन दी जा रही है। फर्जी डिग्रियां बांटी जा रही है। इन्हीं मुद्दों को लेकर राजस्थान में बीजेपी की सरकार बनी थी। लेकिन राजस्थान के भजनलाल सरकार पिछले डेढ़ साल से इन मुद्दों पर मौन साधे बैठी है।

**आरपीएससी पुनर्गठन और सब-इंस्पेक्टर भर्ती रद्द करने की मांग को लेकर सीएम आवास कर रहे थे कूच**

**हम डरेंगे नहीं बल्कि अगली बार और ज्यादा संख्या में मुख्यमंत्री आवास का करेंगे घेराव - बेनीवाल**

उन्होंने कहा कि जब राजस्थान में कांग्रेस की सरकार थी। आज जो मंत्री सत्ता में बैठे हैं, उन्हीं लोगों ने कसमें खाई थी कि हम कांग्रेस राज में हुई भर्ती परीक्षाओं को रद्द करेंगे। इसी बात को लेकर आज मैं मुख्यमंत्री आवास जाना चाह रहा था। मैं मुख्यमंत्री और मंत्रियों को उनके वादों को याद दिलाता। लेकिन सरकार के दबाव में पुलिस ने हमें पहले ही रोक दिया। हम डरेंगे नहीं बल्कि अगली बार और ज्यादा संख्या में मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे।

**सब-इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा के अंदर मंत्री केके विश्नोई की संलिप्तता - सांसद हनुमान बेनीवाल**

हनुमान बेनीवाल ने कहा कि कांग्रेस और बीजेपी मिली हुई है। आज सचिन पायलट कहां गायब हो गए जो अजमेर से जयपुर तक युवाओं के लिए पदयात्रा निकल रहे थे। अशोक गहलोत के मुंह पर भी ताला लगा हुआ है। क्योंकि उनके राज में यह सारे घोटाले हुए। मैं डॉक्टर किरोड़ी लाल मीणा जी से इस मुद्दे पर जवाब चाहता हूं। क्योंकि उन्होंने भी इन मुद्दों को लेकर विरोध किया था और युवा ही उन्हें यहां तक पहुंचने वाले हैं। हनुमान बेनीवाल ने कहा कि राजस्थान में सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा के अंदर मंत्री केके विश्नोई की संलिप्तता है। उनके व्हाइट हाउस की जांच होनी चाहिए। मैं अपनी बात तथ्यों के आधार पर कह रहा हूं। तभी तो अब तक मंत्री का इस मुद्दे पर कोई भी बयान नहीं आया है।

**गोली खाने को भी तैयार हूं - हनुमान बेनीवाल**

हनुमान बेनीवाल ने कहा कि मैं अपने छोटे भाई और बहनों के लिए लाठी ही नहीं बल्कि, बंदूक और गोली खाने को भी तैयार हूं। हमारी लड़ाई आर-पार की है। जब तक सरकार हमारी मांगों को पूरा नहीं करेगी। हमारी जंग जारी रहेगी। अब हम जल्द ही जयपुर में एक लाख जवानों के साथ सरकार को बंधक बना लेंगे। प्रदेश के सभी हाईवे को जाम करेंगे। लेकिन अपनी मांगों को पूरा करवा कर ही दम लेंगे।

# अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ती रुपए की ताकत एवं भारत में बढ़ता विदेशी मुद्रा भंडार

(लेखक-प्रहलाद सबनानी)

दिनांक 7 फरवरी 2025 को अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत सबसे निचले स्तर अर्थात 87.44 रुपए प्रति अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गई थी। इसके बाद धीरे धीरे इसमें सुधार होता हुआ दिखाई दिया है एवं अब दिनांक 30 अप्रेल 2025 को यह 84.50 रुपए प्रति डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। वहीं दिनांक 18 अप्रेल 2025 को भारत का विदेशी मुद्रा भंडार भी तेज गति से आगे बढ़ता हुआ 68,610 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है और यह दिनांक 27 सितम्बर 2024 के उच्चतम स्तर 70,489 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर के बहुत करीब है। भारतीय रुपए की मजबूती एवं विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि ऐसे समय में हो रही है जब विश्व के समस्त देश अमेरिकी प्रशासन के टैरिफ युद्ध का सामना करते हुए संकट में दिखाई दे रहे हैं। परंतु, भारत पर टैरिफ युद्ध का असर लगभग नहीं के बराबर दिखाई दे रहा है। यह भी सही है कि हाल ही के समय में अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर पर दबाव बढ़ा है और अमेरिकी डॉलर इंडेक्स लगभग 109 के स्तर से नीचे गिरकर दिनांक 30 अप्रेल 2025 को 99.43 के स्तर पर आ गया है। शायद अमेरिका भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर की मजबूती को कम करना चाहता है ताकि अमेरिका में आयात महंगे हों एवं अमेरकी निर्यातकों को अधिक लाभ पहुंचे। परंतु, अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर पर दबाव के बढ़ने से सोने की कीमतों में अतुलनीय वृद्धि दर्ज हुई है और यह दिनांक 22 अप्रेल 2025 को अपने उच्चतम स्तर 3500 अमेरिकी डॉलर प्रति आउन्स पर पहुंच गई थी। साथ ही, अमेरिकी शेयर बाजार भी धराशायी हुआ है और डाउ जोंस एवं अन्य इंडेक्स में भारी गिरावट दर्ज हुई है। अब ऐसा आभास हो रहा है कि ट्रम्प प्रशासन द्वारा विभिन्न देशों के विरुद्ध छेड़े गए टैरिफ युद्ध का विपरीत असर अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर होता हुआ दिखाई दे रहा है।

भारतीय रुपए के मजबूत होने के चलते भारतीय शेयर (पूंजी) बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशक एक बार पुनः अपना निवेश बढ़ाने लगे हैं एवं पिछले लगातार 8 दिनों से इन विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में शेयरों की भारी मात्रा में खरीद की है। जबकि, सितम्बर 2024 के बाद से विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय शेयर बाजार से लगातार अपना निवेश निकाल रहे थे और इस बीच विदेशी संस्थागत निवेशकों ने लगभग 3 लाख करोड़ रुपए के शेयरों की बिक्री भारतीय शेयर बाजार में की है। जिसके चलते भारतीय शेयर बाजार के निफ्टी इंडेक्स में लगभग 3500 अंकों की भारी गिरावट दर्ज हुई थी। परंतु, भारतीय संस्थागत निवेशकों, भारतीय म्यूचअल फण्ड एवं खुदरा निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में अपना निवेश बढ़ाकर भारतीय पूंजी बाजार को सम्हालने में मदद की है अन्यथा भारतीय शेयर बाजार क्रेश हो गया होता। परंतु, अब भारतीय शेयर बाजार में सुधार होता हुआ दिखाई दे रहा है एवं अब एक बार पुनः यह आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। हाल ही के समय में निफ्टी इंडेक्स में लगभग 1500 अंकों की वृद्धि दर्ज हुई है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत के विदेशी व्यापार में लगभग 6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। विभिन्न देशों को भारत से निर्यात 5.50 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 82,093 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गए हैं वहीं अन्य देशों से भारत में होने वाले आयात 6.85 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 91,519 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गए हैं। निर्यात की तुलना में आयात में वृद्धि दर अधिक रही है जिसके चलते भारत का व्यापार घाटा बढ़कर 9,426 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। व्यापार घाटे के बढ़ने के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए पर दबाव बढ़ा और रुपया कमजोर हुआ। भारत में कच्चे तेल एवं स्वर्ण का आयात भारी मात्रा में होता है। मुख्य रूप से इन्हीं दो मदों की कीमतें भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ीं थी, जिसका प्रभाव भारत में अधिक आयात के रूप में दिखाई दिया है। परंतु, अब हर्ष की बात है कि कच्चे तेल की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार में 75 अमेरिकी डॉलर प्रति बेरल से घटकर लगभग 65 अमेरिकी डॉलर प्रति बेरल पर नीचे आ गई है और स्वर्ण के महंगे होने के चलते स्वर्ण का आयात भी कुछ कम हुआ है। उक्त दोनों घटनाओं के परिणाम स्वरूप अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए पर दबाव कुछ कम होता हुआ दिखाई दे रहा है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में भले स्थितियां ठीक नहीं दिखाई दे रहीं है, परंतु भारत में आंतरिक मजबूती के चलते भारतीय अर्थव्यवस्था अभी भी विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेज गति से आगे बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बनी हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक, विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, एशियाई विकास बैंक, स्टैंडर्ड एवं पूअर आदि अंतरराष्ट्रीय रेटिंग संस्थानों ने भी वित्तीय वर्ष 2025-26 में, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक क्षेत्र में विकसित हो रही विपरीत परिस्थितियों के बीच भी, भारतीय अर्थव्यवस्था के 6 प्रतिशत से अधिक की दर से आगे बढ़ने की सम्भावना व्यक्त की है। जबकि यूरोप के कुछ देशों यथा जर्मनी, कनाडा आदि एवं ब्रिटेन तथा अमेरिका में मंदी की सम्भावनाएं स्पष्ट तौर पर दिखाई दे रही हैं। अमेरिका में तो वर्ष 2025 की प्रथम तिमाही (जनवरी-मार्च 2025) में आर्थिक विकास दर में 0.3 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई है। लगभग यही हाल यूरोप के कई देशों तथा जापान आदि का है। चीन की आर्थिक विकास दर में भी गिरावट आती हुई दिखाई दे रही है। यदि जापान एवं जर्मनी की अर्थव्यवस्थाओं में वर्ष 2025 एवं 2026 में गिरावट दर्ज होती है और भारतीय अर्थव्यवस्था 6 प्रतिशत की विकास दर हासिल कर लेती है तो बहुत सम्भव है कि वर्ष 2025 में जापान एवं वर्ष 2026 में जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए भारत विश्व में अमेरिका एवं चीन के बाद तीसरे नम्बर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विपरीत परिस्थितियों के बीच भी भारतीय अर्थव्यवस्था के तेजी से आगे बढ़ने के पीछे भारत की आंतरिक मजबूती मुख्य भूमिका निभाती हुई दिखाई दे रही है। भारत में अभी हाल ही में महाकुम्भ मेला सम्पन्न हुआ है, इस महाकुम्भ में लगभग 66 करोड़ भारतीय मूल के नागरिकों ने पवित्र त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाई। इतनी भारी मात्रा में नागरिकों के यहां पहुंचने से भारतीय अर्थव्यवस्था को बल ही मिला है। महाकुम्भ में भाग ले रहे प्रत्येक नागरिक ने औसत रूप से यदि 2000 रुपए भी प्रतिदिन खर्च किए हों और प्रत्येक नागरिक ने औसतन कुल तीन दिवस भी महाकुम्भ में बिताएं हों तो भारतीय अर्थव्यवस्था को 396,000 करोड़ रुपए का अतिरिक्त लाभ पहुंचा है।

रोजगार के लाखों अवसर निर्मित हुए हैं, यह अलग लाभ रहा है। आधारभूत सुविधाओं को विकसित किया गया जिसका लाभ आने वाले कई वर्षों तक देश को मिलता रहेगा। देश में धार्मिक पर्यटन भी भारी मात्रा में बढ़ा है जिसका प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर बहुत अच्छे रूप में दिखाई दे रहा है। धार्मिक पर्यटन एवं महाकुम्भ के चलते ही अब यह आंकलन हो रहा है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 की चतुर्थ तिमाही (जनवरी-मार्च 2025) में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हो सकती है।

रोजगार के लाखों अवसर निर्मित हुए हैं, यह अलग लाभ रहा है। आधारभूत सुविधाओं को विकसित किया गया जिसका लाभ आने वाले कई वर्षों तक देश को मिलता रहेगा। देश में धार्मिक पर्यटन भी भारी मात्रा में बढ़ा है जिसका प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर बहुत अच्छे रूप में दिखाई दे रहा है। धार्मिक पर्यटन एवं महाकुम्भ के चलते ही अब यह आंकलन हो रहा है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 की चतुर्थ तिमाही (जनवरी-मार्च 2025) में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हो सकती है।

संपादकीय

## जाति जनगणना

लंबे समय तक असहमति के बाद आखिरकार भाजपा नेतृत्व वाली राजग सरकार ने घोषणा कर दी है कि जाति गणना अगली जनगणना का हिस्सा होगी। बहरहाल, भाजपा ने विपक्ष के जातीय गणना के मुद्दे की हवा निकाल दी है। यह आश्चर्यजनक निर्णय विषम परिस्थितियों के बीच आया है जब देश को उम्मीद थी कि सरकार पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ कोई बड़ी कार्रवाई करेगी। हालांकि, भाजपा ने स्पष्ट किया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के हित चुनावी प्राथमिकताओं से प्रभावित नहीं होंगे। निस्संदेह, राजग का अल्पकालिक लक्ष्य इस साल के अंत में बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव जीतना है। वहीं बड़ा उद्देश्य देशभर में जाति के मुद्दे पर कांग्रेस और अन्य प्रतिद्वंद्वी दलों को पछाड़ना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिसंबर 2023 में यह कहकर चीजों को सरल बनाने की कोशिश की थी कि देश में चार ही जातियां हैं- महिलाएं, युवा, किसान और गरीब। यही वजह है कि ध्रुवीकरण की अपनी ताकत के प्रति आश्वस्त भगवा पार्टी ने विपक्ष को जाति का कार्ड खेलने दिया। हालांकि, इसका झटका भाजपा को 2024 के लोकसभा चुनाव में लगा। ये परिणाम भाजपा के लिये आंख खोलने वाला था। हालांकि, वह नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल युनाइटेड और चंद्रबाबू नायडू की तेलुगू देशम पार्टी के सहयोग से किसी तरह सरकार बनाने में कामयाब हो गई। इस बात में कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि गठबंधन की मजबूरियों के चलते ही भाजपा को जाति जनगणना के मुद्दे पर यह फैसला लेना पड़ा है। हालांकि, कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के दबाव ने भी इस निर्णय में बड़ी भूमिका निभाई है। एक अन्य प्रमुख कारण भीमराव अंबेडकर की विरासत को लेकर खींचतान भी है। कोई भी राजनीतिक दल सामाजिक न्याय के उनके महान सपने को पूरा करने के लिये आधे-अधूरे दृष्टिकोण को अपनाने का जोखिम नहीं उठा सकता, खासकर भाजपा। कहा जा रहा है कि जाति जनगणना के जरिये नीति निर्माताओं को विशिष्ट समुदायों की आवश्यकता के अनुसार कल्याणकारी योजनाएं बनाने में मदद मिलेगी। इसमें दो राय नहीं कि जाति आधारित जनगणना में पारदर्शी सूचनाओं के संग्रह और डेटा के सार्थक उपयोग से सामाजिक असमानताओं को दूर करने में काफी हद तक मदद मिल सकती है। लेकिन साथ ही यह भी जरूरी है कि इसके लिये समय सीमा तय की जाए, क्योंकि पहले ही जनगणना में काफी देरी हो चुकी है। यह भी हकीकत है कि केंद्र सरकार के लिये अगली जनगणना के साथ ही जाति गणना कराने का फैसला खासा चुनौतीपूर्ण है। जिसके गहरे निहितार्थ सामने आ सकते हैं, जो राजनीतिक व सामाजिक परिदृश्य में बदलावकारी प्रभाव छोड़ सकते हैं। बहुत संभव है कि इसके बाद आबादी के अनुपात में आरक्षण की मांग भी जोर पकड़े। लेकिन प्रथम दृष्टया भाजपा विपक्ष के बड़े हथियार को हथियाने में सफल रही है। उल्लेखनीय है कि साल 1931 तक हुई जनगणना में जाति गणना भी शामिल रही है, लेकिन स्वतंत्र भारत में इसकी आवश्यकता को नकार दिया गया। हालांकि, अनुसूचित जाति और जनजाति की गणना की जाती रही। वैसे साल 2011 में सामाजिक व आर्थिक उद्देश्यों के लिये जाति गणना की तो जरूर गई, लेकिन विसंगतियों के चलते आंकड़ों को सार्वजनिक नहीं किया गया। जबकि पिछले कुछ समय से विपक्ष आरक्षण को तार्किक बनाने के लिये जाति गणना की वकालत करता रहा है। हालांकि, पहले भाजपा भारतीय समाज के हित में जाति गणना के प्रस्ताव को अप्रासंगिक बताती रही है, लेकिन देश के राजनीतिक परिदृश्य में विपक्ष द्वारा इसे बड़ा मुद्दा बनाने के बाद केंद्र को इस बाबत फैसला लेने को बाध्य होना पड़ा।

## जाति जनगणना विभाजन का नहीं, विकास का आधार बने

(लेखक- ललित गर्ग)

पहलगाम की क्रूर एवं बर्बर आतंकी घटना के बाद मोदी सरकार लगातार पाकिस्तान को करारा जबाव देने की तैयारी के अति जटिल एवं संवेदनशील दौर में एकाएक जातिगत जनगणना कराने का निर्णय लेकर न विपक्षी दलों को बल्कि समूचे देश को चौकाया एवं चमत्कृत किया है। सरकार का यह निर्णय जितना बड़ा है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी। मोदी सरकार का जातिगत जनगणना के लिए तैयार होना सुखद और स्वागतयोग्य है। पिछले कुछ समय से जातिगत जनगणना की मांग बहुत जोर-शोर से हो रही थी। कुछ राज्यों में तो भाजपा भी ऐसी जनगणना के पक्ष में दिखी थी, पर केंद्र सरकार का रुख इस पर बहुत साफ नहीं हो रहा था। अब अचानक ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में राजनीतिक मामलों की उच्चस्तरीय कैबिनेट समिति की बैठक में यह फैसला ले लिया गया। बाद में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया को बताया कि आगामी जनगणना में जातिगत गणना भी शामिल रहेगी। यह कदम जहां देश के राजनीतिक और सामाजिक समीकरणों को बदलेगा, वही सामाजिक असमानताओं को दूर करने और वंचित समुदायों के उत्थान के लिए लक्षित नीतियों को लागू करने में मील का पत्थर साबित होगा।

जातिगत जनगणना 1931 यानी अखंड भारत में अंग्रेजी सत्ता ने कराई थी। भारत में जनगणना की शुरुआत अंग्रेजी हुकूमत के दौर में, सन 1872 में हुई थी और 1931 तक हुई हर जनगणना में जाति से जुड़ी जानकारी को भी दर्ज किया गया। आजादी के बाद सन् 1951 में जब पहली बार जनगणना कराई गई, तो तय हुआ कि अब जाति से जुड़े आंकड़े नहीं जुटाए जाएंगे। स्वतंत्र भारत में हुई जनगणनाओं में केवल अनुसूचित जाति और जनजाति से जुड़े डेटा को ही पब्लिश किया गया। 2011 में मनमोहन सरकार ने जातिवार जनगणना कराई अवश्य, लेकिन उसमें इतनी जटिलताएं एवं विसंगतियां मिलीं कि उसके आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए गए। इसके बाद कुछ राज्यों ने जातियों की गिनती करने के लिए सर्वे कराए, क्योंकि जनगणना कराने का अधिकार केवल केंद्र को ही है। हालांकि भाजपा ने बिहार में जाति आधारित सर्वे का समर्थन किया, लेकिन जातिगत जनगणना को लेकर वह मुखर नहीं रही। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अवश्य इसका समर्थन किया। लेकिन अब एकाएक भाजपा को जातिगत जनगणना करना अपने हित में दिखाई दिया क्योंकि अपनी नीतियों एवं योजनाओं के बल पर भाजपा ने पिछड़ी जातियों और दलितों की गोलबंदी कर सत्ता का सफर आसान बनाया है। जातिगत जनगणना का भारतीय राजनीति और समाज-व्यवस्था पर व्यापक एवं दूरगामी प्रभाव पडेगा। कांग्रेस और कुछ क्षेत्रीय दल इसकी पुरजोर मांग करने में लगे हुए थे। सबसे ज्यादा जोर राहुल गांधी दे रहे थे, जबकि नेहरू से लेकर नरसिंह राव तक ने इसकी जरूरत नहीं समझी। यह तय है कि जातिगत जनगणना कराने के फैसले पर जहां कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल इसका श्रेय लेना चाहेंगे, वहीं भाजपा इसे सामाजिक न्याय एवं समता-संतुलित समाज-निर्माण केंद्रित अपनी पहल बताएगी। जाति आधारित जनगणना सामाजिक न्याय में सहायक बनेगी या नहीं, लेकिन इससे जातिवादी राजनीति के नए दरवाजे खुलेंगे एवं आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर राजनीति की धूरी बनेगा। कांग्रेस एवं विपक्षी दलों ने अपने संकीर्ण एवं स्वार्थी राजनीतिक नजरिये से यह मांग इसलिए उठाई थी ताकि इस आधार पर आगे आरक्षण के मुद्दे को गर्माया जा सके और जातीय गोलबंदी कर चुनावी फायदा लिया जा सके। लेकिन भाजपा-सरकार ने जाति जनगणना का ऐलान कर इस मुद्दे को अपनी पाली में ले लिया है। भले ही इसके आंकड़े आने के बाद आबादी के अनुपात में आरक्षण की मांग से भाजपा कैसे निपटेगी, यह बड़ी चुनौती उसके सामने है। वैसे भी इस तरह की पहल जिन राज्यों में हुई है, वहां भी इसे लेकर विवाद चल रहा है। ऐसे विवाद भाजपा के लिये एक नयी चुनौती बनेंगे। जाति आधारित जनगणना से भारतीय समाज के नये कोने-अंतरे-चुनौतियां सामने आयेगी। लेकिन जातिगत जनगणना के समर्थकों का मानना है कि यह सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम हो सकता है। जनगणना में दलितों और आदिवासियों की संख्या तो गिनी जाती है और उन्हें राजनीतिक आरक्षण भी मिला हुआ है लेकिन पिछड़ी और अति पिछड़ी (ओबीसी और ईबीसी) जातियों के कितने लोग देश में हैं इसकी गिनती नहीं होती है। जनगणना एक बहुत बड़ी कवायद है और अगर इसमें जातिगत गणना को भी शामिल किया जा रहा है, तो काम और भी सावधानी एवं सतर्कता से करना होगा। हजारों जातियां हैं और उनकी हजारों उप-जातियां हैं। सबको अलग-अलग गिनने के लिए देश को अपनी डिजिटल शक्ति का उपयोग करना पड़ेगा। निश्चित ही नयी राजनीतिक एवं नीतिगत स्थितियां समस्याएं खड़ी होगी। अब सभी जातियों की गिनती होगी। यह गिनती मुस्लिम, ईसाई और अन्य समुदायों में भी होनी चाहिए, क्योंकि कोई दावा कुछ भी करे, जाति और उसके आधार पर विभेद सब जगह है। इससे भी ज्यादा आवश्यक, बल्कि अनिवार्य यह है कि जातिगत जनगणना जातिवाद की राजनीति का हथियार न बने और वह भारतीय समाज को विभाजित न करने पाए। इस अंदेशे को दूर करने के कुछ ठोस उपाय होने ही चाहिए कि जाति आधारित जनगणना जातीय विभाजन का कारण न बनने पाए। यह अंदेशा इसलिए है, क्योंकि यह किसी से छिपा नहीं कि कई राजनीतिक दल खुले रूप से जाति की राजनीति करते हैं। माना जाता है कि देश की आबादी में 52 फ़ीसदी लोग पिछड़ी और अति पिछड़ी जाति के हैं। ओबीसी समुदाय के नेताओं का मानना है कि इस हिसाब से उनकी राजनीतिक हिस्सेदारी काफ़ी कम है। राजनीतिक दल इन समुदायों का समर्थन हासिल करने के लिए जाति जनगणना का समर्थन कर रहे हैं। भारत में जाति जनगणना आजादी के बाद रुकी, पर अब सामाजिक न्याय, नीतिगत सुधार और राजनीतिक प्रतिनिधित्व के लिए इसकी जरूरत महसूस की जा रही है। पारदर्शिता और सावधानी से किया गया यह कदम समावेशी विकास का आधार बन सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने जाति आधारित जनगणना को एक समतामूलक समाज निर्माण के दृष्टिकोण से समर्थन देने के संकेत दिए हैं।

(चिंतन-मनन)

## रजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे। अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी। साइरस मुस्कराए फिर बोले आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं। उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबकि तुम्हारा खजाना बांझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।

विचार मंथन

## कमंडल के मुकाबले में अब मंडल की राजनीति का समय

(लेखक- सनत जैन)

वक्त के साथ सब कुछ बदलता है। 1989 में देश में मंडल और कमंडल की नई राजनीति की शुरुआत हुई थी। इस राजनीति ने कांग्रेस को काफी कमजोर कर दिया। भारतीय जनता पार्टी और क्षेत्रीय दलों का बड़े प्रभावी ढंग से उदय हुआ, लेकिन मंडल पर कमंडल भारी पड़ा। 1991 से लेकर 2024 तक की राजनीति कमंडल पर हुई। राम नाम की लूट है लूट सके तो लूट की तर्ज पर भारतीय जनता पार्टी बड़ी तेजी के साथ आगे बढ़ती चली गई, लेकिन अब समय बदल रहा है। जिस तरह से जन्म-मृत्यु निर्वाद सत्य है उसी तरह राजनीति में भी समय बदलता है। समय के साथ भाग्य में भी बदलाव आता है। 2011 की जनगणना में जातियों की भी गणना की गई थी। 2011 की जनगणना में पहली बार भारत में 86 लाख जातियों का समावेश हुआ था। अंग्रेजों के जमाने में 1931 में जो जाति जनगणना हुई थी उसी समय 4000 जातियां और उपजातियों के आधार पर जनगणना के परिणाम आए थे। 2011 में यह स्थिति पूरी तरह से बदल गई। 2011 में जनगणना पंजीयक द्वारा सामाजिक, आर्थिक, जातीय जनगणना पर 4389 करोड रुपए खर्च किए गए थे। बड़े पैमाने पर जनगणना हुई थी। 2011 की जनगणना ग्रामीण विकास मंत्रालय, शहरी विकास मंत्रालय के सहयोग से पूरी की गई थी। इस जनगणना मे जनगणना कर्मियों ने घर-घर जाकर सामाजिक, आर्थिक, शिक्षा, आय, व्यवसाय, आवास की स्थिति, रहन-सहन का स्तर, वाहन से संबंधित जानकारी, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, मशीनी उपकरण, खेती-किसानी का तौर तरीका और उसमें उपयोग होने वाले उपकरणों, परिवार में नौकरी से संबंधित जानकारी, सरकारी सेवा में लोगों की जानकारी, सरकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी, जातीय तथा उपजाति के आधार पर सारी सूचनाएं एकत्रित की गई थीं। भारत के 640 जिलों में 24 लाख ब्लॉक में यह जनगणना की गई थी। 2011 से यह जनगणना शुरू हुई थी जो 2016 में जाकर पूर्ण हुई थी। 2016 में जब जाति जनगणना के आंकड़े आए तो इसे तत्कालीन मोदी सरकार ने स्वीकार नहीं किया। जनगणना के आंकड़ों से इसे अलग कर दिया गया। 2011 की जनगणना में 40 लाख से अधिक जातियों की पहचान हुई थी। इनको पिछड़ा वर्ग, एसटी, एससी और सामान्य वर्ग में विभाजित करने को लेकर सरकार असमंजस में रही। 2016 में यदि जाति जनगणना के आंकड़े प्रकाशित होते तो यह देश की राजनीति को बदल सकते थे। इस डर को ध्यान में रखते हुए सरकार ने इसे उजागर नहीं किया। जातीय जनगणना को लेकर पिछले कुछ वर्षों में बिहार, तेलंगाना और कर्नाटक ने अपने तरीके से जातीय सर्वेक्षण कराए हैं। उनके आंकड़े भी सामने आए है। भारत की सामाजिक व्यवस्था में धार्मिक एवं जाति आधार बहुत मजबूत हैं। भारत दुनिया का सबसे बड़ा विविधता वाला देश है। यहां पर सभी धर्म के लोग रहते हैं। सबसे ज्यादा बोलियां हैं, सबसे ज्यादा भाषाएं बोली जाती हैं, सबसे ज्यादा धर्म जाति आधार पर देखने को मिलते हैं। भारत की एक बड़ी दलित और आदिवासी आबादी अपनी विभिन्न परंपराओं और विभिन्न आस्थाओं के कारण एक अलग पहचान बनाती है। उनकी मान्यताएं भी अलग-अलग होती हैं। 2016 में पूर्व केंद्रीय मंत्री लालू यादव ने इसे बड़ा मुद्दा बनाया था। उन्होंने 2016 में एक बार फिर मंडल और कमंडल की लड़ाई को तेज करने की कोशिश की थी। लालू यादव जेल गए, वहां उनका स्वास्थ्य खराब हो गया उसके बाद यह मांग कमजोर पड़ गई थी। लालू यादव चाहते थे कि 2011 की जनगणना के आंकड़ों को सार्वजनिक किया जाए। मोदी सरकार इससे बचती रही। 2022 के बाद यह मुद्दा एक बार फिर जोर पकड़ा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जाति जनगणना को लेकर एक आंदोलन चलाने की कोशिश की, जो सफल होती हुई दिख रही है। सरकार को भी 2025 में जनगणना के साथ जाति जनगणना करने के लिए विवस होना पड़ा है। भारत में स्वर्ण आबादी जनसंख्या के अनुपात में काफी कम है। अलग-अलग राज्यों में जाति समूह के आधार पर सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्था जमीन से जुड़ी हुई है। बिहार विधानसभा चुनाव में जाति जनगणना सर्वेक्षण के माध्यम से एकत्रित की गई थी।

उसके आधार पर बड़े राजनीतिक परिवर्तन की संभावना के रूप में देखा जा रहा है। इसी दबाव को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी अभी तक जाति जनगणना का विरोध कर रही थी, लेकिन उसे भी अब जाति जनगणना के समर्थन में आना पड़ा है। मोदी सरकार के इस निर्णय का क्या असर भविष्य की राजनीति में पड़ेगा, इसको लेकर तरह-तरह की चर्चाएं होने लगी हैं। 2014 के बाद से अति हिंदूवाद ने कई जाति और समूहों के बीच में एक अलगाव की स्थिति लाकर खड़ी कर दी है।

## ऑडी 15 मई से वाहनों की कीमतें दो प्रतिशत तक बढ़ाएगी

**नई दिल्ली।**

लग्जरी कार विनिर्माता कंपनी ऑडी इंडिया ने 15 मई से वाहनों की कीमतों में दो प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की शुक्रवार को घोषणा की। कंपनी ने कहा कि विनिमय दर और कच्चे माल की लागत के प्रभाव को आंशिक रूप से कम करने के मकसद से कीमतों में इजाफा किया जा रहा है। देश में ऑडी इंडिया के सभी मॉडल की कीमतों में वृद्धि की जा रही है। ऑडी इंडिया के एक अधिकारी कहा कि विनिमय दर और कच्चे माल की लागत में वृद्धि के कारण हम दो प्रतिशत तक का मूल्य समायोजन लागू कर रहे हैं। ऑडी इंडिया भारत में ए4, क्यू5, क्यू7 और आरएस ई-ट्रॉन जीटी सहित विभिन्न मॉडल बेचती है। यह बढ़ोतरी ग्राहकों के लिए नए वाहन की खरीद पर असर डालेगी।

## तूफानी तेजी में उछला रेलटेल का शेयर

- मार्च 2025 तिमाही में मुनाफा बढ़कर 113 करोड़ रुपये तक पहुंचा
- नवरत्न कंपनी के शेयर बने रॉकेट, 113 करोड़ रुपये से ज्यादा का हुआ है मुनाफा

**नई दिल्ली।**

रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के शेयरों में बाजार खुलते ही एक नई तूफानी तेजी नजर आ रही है। मल्टीबैगर रेल कंपनी के शेयर शुक्रवार को बीएसई में 10 फीसदी से अधिक उछलकर 326.80 रुपये पर पहुंच गए हैं। इस तेज उछाल की पीछे मार्च 2025 तिमाही के शानदार नतीजों का अहम योगदान है। जनवरी-मार्च 2025 तिमाही में रेलटेल कॉरपोरेशन का मुनाफा 46.3 पर्सेंट बढ़कर 113.4 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी का मुनाफा 77.53 करोड़ रुपये था। रेलटेल कॉरपोरेशन का रेवेन्यू भी मार्च 2025 तिमाही में सालाना आधार पर 57 पर्सेंट बढ़कर 1308.28 करोड़ रुपये पहुंच गया है। यह एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी के रेवेन्यू 832.7 करोड़ रुपये था। रेलटेल को 30 अगस्त 2024 को नवरत्न कंपनी का दर्जा मिला है, जिससे उसकी मान्यता में एक और चारण मिल गया है। रेलटेल कॉरपोरेशन ब्रॉडबैंड और वीपीएन सर्विसेज उपलब्ध कराती है और इसका मार्केट कैप 2 मई 2025 को 10,310 करोड़ रुपये से भी अधिक हो गया है।

## यूट्यूब पर निवेशकों को गुमराह करने वाले 3 लोगों पर 70 लाख का जुर्माना

- 5 साल के लिए सिक्योरिटी बाजार से बैन

**नई दिल्ली।**

शेयर बाजार का ज्ञान बांटने वालों 3 लोगों पर मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने कुल 70 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। मनीष मिश्रा पर 50 लाख रुपये जबकि विवेक चौहान और अंकुर शर्मा पर 10-10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। जुर्माने के अलावा, मिश्रा और शर्मा को अवैध रूप से कमाए गए मुनाफे को वापस करने का आदेश दिया गया है। मिश्रा ने 4.37 लाख रुपये और शर्मा ने 6.01 लाख रुपये कमाए थे। उन्हें यह रकम 45 दिनों के भीतर इन्वेस्टर्स प्रोटेक्शन एंड एजुकेशन फंड में जमा करनी होगी। सेबी की जांच के अनुसार मनीष मिश्रा ने दो यूट्यूब चैनल्स` मिडकैप कॉल्स और प्रो फिट यात्रा बनाए। उन्होंने इन प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल अटलांटा शेयरों के बारे में झूठी जानकारी पोस्ट करने के लिए किया। उन्होंने यह काम विवेक चौहान और अंकुर शर्मा के साथ मिलकर किया। उनका मकसद लोगों को इस शेयर को खरीदने के लिए प्रेरित करना और इसकी कीमत बढ़ाना था। हालांकि विवेक चौहान ने अटलांटा शेयरों में ट्रेड नहीं किया, लेकिन उन्होंने गुमराह करने वाले वीडियो को प्रमोट करने में मदद की। सेबी ने कहा कि इन तीनों ने मिलकर योजनाबद्ध तरीके से निवेशकों को धोखा देने का काम किया।

# अब नहीं होगी यूपीआई में गड़बड़ी और धोखाधड़ी, एनपीसीआई ने किया बदलाव

### पेमेंट की पुष्टि करने से पहले बैंक में सत्यापित नाम आएगा नजर

**नई दिल्ली।**

अब यूपीआई पेमेंट में होने वाली गड़बड़ी को रोका जा सकेगा। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने नया नियम बनाया है, जिसमें अब यूपीआई ऐप्स को पेमेंट की पुष्टि करने से पहले बैंक द्वारा सत्यापित नाम दिखाना होगा। यह कदम पारदर्शिता बढ़ाने, धोखाधड़ी कम करने और ग्राहकों को सुरक्षित डिजिटल लेन-देन कराने के लिए उठाया गया है। 30 जून से सभी यूपीआई में बैंक में रजिस्टर्ड नाम भी दिखेगा। अब आपके साथ कोई धोखाधड़ी नहीं कर पाएगा क्योंकि अब भुगतान करने से पहले जिसे आप रकम भेज रहे हैं आपको उसका असली नाम नजर आएगा। अभी तक केवल उपनाम या छोटा नाम ही दिखाई देता था, जिसके चलते अक्सर भ्रम की स्थिति पैदा हो जाती थी। नए नियम के मुताबिक अब वही नाम दिखेगा, जो बैंक द्वारा सत्यापित होगा यानी असली नाम। अब तक यूपीआई ऐप्स में क्यूआर कोड से लिया गया नाम, ग्राहक द्वारा लिखा गया उपनाम, फोन में सुरक्षित किए गए नाम या उपनाम दिखाए देते थे। इससे गलतियों और धोखाधड़ी की गुंजाइश रहती थी क्योंकि धोखेबाज अक्सर नामों की नकल करके ग्राहकों को झांसे में डाल देते थे। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के 24 अप्रैल के निर्देश के मुताबिक अब व्यक्ति से व्यक्ति और व्यक्ति से व्यापारी दोनों तरह के लेन-देन में केवल बैंक द्वारा सत्यापित नाम ही भुगतान की पुष्टि स्क्रीन पर नजर आएगी। व्यक्ति से व्यक्ति लेनदेन उसे कहते हैं जो दो लोगों के बीच होता है।

## चांदी निवेशकों के लिए अवसर, ग्रो ने शुरू किए नए सिल्वर ईटीएफ

- नए निवेश स्कीमों में निवेश करने की शुरुआत 2 मई से

**नई दिल्ली।**

ग्रोम्युचुअल फंड ने दो नए सिल्वर एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (सिल्वरईटीएफ) लॉन्च किए हैं, जिनका नाम है ग्रो`` सिल्वर ईटीएफ और ग्रो` सिल्वर ईटीएफ एफओएफ। इन नए निवेश स्कीमों में निवेश करने की शुरुआत 2 मई से है और इनमें पैसा लगाने की अंतिम तारीख 16 मई है। ग्रो` सिल्वर ईटीएफ एक ओपन-एंडेड ट्रेडेड फंड है जो फिजिकल चांदी की कीमतों को ट्रैक करने के लिए डिजाइन किया गया है। यहाँ निवेशक मिनिमम 500 रुपए से निवेश कर सकते हैं और कोई लॉक इन या एग्जिट लोड नहीं है। ग्रो` सिल्वर ईटीएफ एफओएफ एक फंड ऑफ फंड स्कीम है जो ग्रो` सिल्वर ईटीएफ की यूनिट्स में निवेश करेगा। इसमें भी निवेशक मिनिमम 500 रुपए से निवेश कर सकते हैं, लेकिन इसमें एग्जिट लोड के नियम होते हैं। अगर आप भी चांदी की चमक से निवेश करना चाहते हैं, तो ग्रो के नए सिल्वर ईटीएफ स्कीमों में निवेश की विवरणों को समझें और अपने निवेश का फैसला करें।

## भारतीय विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन में तेज गति से वृद्धिः सर्वेक्षण

- पीएमआई अप्रैल में बढ़कर 58.2 हो गया जो मार्च में 58.1 था

**नई दिल्ली।**

भारतीय विनिर्माण क्षेत्र में एक सकारात्मक रुख नजर आ रहा है, जैसा कि एक नवीन मासिक सर्वेक्षण ने दर्शाया है। अप्रैल माह में जारी सर्वेक्षण के अनुसार, विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन गतिविधियों में वृद्धि है और जून 2024 के बाद सबसे तेज गति से बढ़ रही है। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) अप्रैल में बढ़कर 58.2 हो गया जो मार्च में 58.1 था। यह 10 महीने में इस क्षेत्र में सबसे मजबूत सुधार का संकेत है।प्रमुख कारक नए व्यवसायों में सक्रियता का विकास है जो उत्पादन वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। विनिर्माण क्षेत्र की विस्तार दर को बेहतर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मांग से समर्थन मिल रहा है। व्यापारिक एहसास के माध्यम से प्रतिस्पर्धा की बढ़ती मांग, भारतीय विनिर्माण क्षेत्र को मजबूती प्रदान कर रही है। उत्पादन में वृद्धि के साथ-साथ, रोजगार और क्रय गतिविधियों में भी सकारात्मक बदलाव दिख रहा है। कीमतों के मोर्चे पर भी भारतीय वस्तुओं की मजबूत मांग ने कंपनियों की मूल्य निर्धारण शक्ति को बढ़ाया है। इससे बिक्री शुल्क में अक्टूबर 2013 के बाद सबसे अधिक वृद्धि देखने को मिली है। सर्वेक्षण के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 की शुरुआत में विदेश से नया कारोबार भी उत्तेजित हो रहा है। इस सकारात्मक माहौल में अप्रैल महीने के आंकड़ों ने आगामी वर्ष की उत्पादन की संभावनाओं के लिए मजबूत आशावाद प्रस्तुत किया है।

# शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

**मुम्बई।**

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आया है। आज के कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में ही तेजी रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 260 अंकों की तेजी के साथ ही 80,502 के स्तर पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 13 अंकों की तेजी के साथ ही 24,347 के स्तर पर बंद हुआ। आज निफ्टी बैंक,वित्तीय और आईटी इंडेक्स लाभ के साथ बंद हुए जबकि वाहन, एफएमसीजी, मेटल, फार्मा और संपत्ति क्षेत्र में गिरावट दर्ज की गयी। आज सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों में अडानी पोर्ट , इंडसइंड बैंक, एसबीआई, टाटा मोटर्स आदि रहे वहीं सबसे अधिक नुकसान वाले शेयरों में एनटीपीसी, कोटक बैंक और टाइटन व पावर ग्रिड रहे। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत हरे निशान के साथ हुई। सेंसेक्स 727.82 अंक की बढ़त के साथ 80,970 और निफ्टी 199 अंक की तेजी के साथ 24,528 पर कारोबार कर रहा था। वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही के मजबूत नतीजों के कारण अदाणी पोर्ट्स के शेयरों में तेजी देखी जा रही है। करीब 5 प्रतिशत की बढ़त के साथ यह सेंसेक्स का टॉप गेनर था। इसके अतिरिक्त सुबह के कारोबार में मारुति सुजुकी, इंडसइंड बैंक, एमएंडएम, टाटा स्टील, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इटरनल (जोमैटो), टीसीएस, टाटा स्टील और आईटीसी टॉप गेनर्स थे।

आज लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 295 अंक की तेजी के साथ 54,420 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 96 अंक की बढ़त के साथ 16,545 पर कारोबार कर रहा था। सेक्टोरल आधार पर ऑटो, आईटी, पीएसयू बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, फार्मा, मेटल और प्राइवेट बैंक के साथ करीब सभी इंडेक्सों में हरे निशान में कारोबार हो रहा था।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेजी के साथ कारोबार हुआ। टोक्यो, हांगकांग, सोल, जकार्ता और बैंकॉक हरे निशान में थे जबकि अमेरिकी बाजार भी गत दिवस तेजी के साथ बंद हुआ था।

# भारत-यूरोपीय संघ के बीच व्यापार समझौता पर हुई चर्चा

**नई दिल्ली।**

भारत ने यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत में सार्थक प्रगति के लिए आयात शुल्क के मुद्दों को सुलझाने के साथ ही व्यवसायों के समक्ष पेश होने वाली गैर-शुल्क बाधाओं का समाधान तलाशने पर समान रूप से गौर करने पर जोर दिया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और यूरोपीय व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस सेफकोविच के बीच ब्रसेल्स में हुई बैठक के दौरान वार्ता की प्रगति पर चर्चा की गई। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा` कि भारत ने इस बात पर जोर दिया कि व्यापार वार्ता में सार्थक प्रगति के लिए शुल्क (आयात शुल्क) चर्चाओं के साथ-साथ गैर-शुल्क बाधाओं (एनटीबी) पर भी समान ध्यान देने की जरूरत है। इसके अलावा नियामक ढांचे को समावेशी, आनुपातिक होना चाहिए तथा व्यापार को प्रतिबंधित करने से बचना चाहिए। देश ने पहले भी कई अवसरों पर यूरोपीय संघ के बाजारों में घरेलू उद्योग के समक्ष उत्पन्न गैर-शुल्क बाधाओं का मुद्दा उठाया है और व्यापार को बढ़ावा देने के लिए इस मुद्दे को सुलझाने का आग्रह किया है। उन्होंने मासिक वार्ता और निरंतर ऑनलाइन जुड़ाव के जरिये वार्ता की गति को बनाए रखने के महत्व पर भी बल दिया। अगले दौर की वार्ता 12-16 मई को यहां निर्धारित है। इसमें कहा गया है कि मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) डिजिटल बदलाव का समर्थन कर और विविध एवं लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं को बढ़ावा देकर वैश्विक वाणिज्य की उभरती वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करने की आकांक्षा रखता है।

दोनों पक्षों ने आशा व्यक्त की कि समझौता संपन्न होने पर, बाजार तक पहुंच बढ़ाने, नियामक सहयोग को समर्थन देने तथा दोनों पक्षों में नवाचार व प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।

## कोल इंडिया का अप्रैल में कोयला उत्पादन घटकर हुआ 6.34 करोड़ टन

- साल 2024 के अप्रैल माह के 6.42 करोड़ टन के उत्पादन से कुछ कम है

**नई दिल्ली।** सीआईएल कोल इंडिया लिमिटेड के अप्रैल महीने के कोयले का उत्पादन आधार पर 1.2 प्रतिशत घटकर 6.34 करोड़ टन रह गया है। यह साल 2024 के अप्रैल माह के 6.42 करोड़ टन के उत्पादन से कुछ कम है। कोयले का उठाव कोयला खदान से आपूर्ति कि जाने वाली कोयले की मात्रा को सूचित करने के लिए किया जाता है। कोयले का उत्पादन उस समय के उत्पादन से ज्यादा नहीं होता है क्योंकि इसमें पहले से भंडारित कोयला भी शामिल हो सकता है। कोल इंडिया के उपक्रमों ने शेयर बाजार को सूचित किया कि अप्रैल में कोल इंडिया का कोयले का उत्पादन तेल-गोबर कर लगभग स्थिर रहा है, जो 6.21 करोड़ टन था। यह अप्रैल के पिछले वर्ष की तुलना में 6.18 करोड़ टन रहा था। कोल इंडिया की घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में कोल इंडिया ने 78.11 करोड़ टन कोयला उत्पादन किया, जो कंपनी के लक्ष्य से करीब सात प्रतिशत कम है। कोल इंडिया का 2024-25 का कोयले का उत्पादन लक्ष्य 83.8 करोड़ टन था। सीआईएल ने वित्त वर्ष 2025-26 में 87.5 करोड़ टन का उत्पादन और 90 करोड़ टन का उठाव का लक्ष्य रखा है।

# जून तिमाही में अमेरिका में बेचे जाने वाले आईफोन भारत में बनेंगेः एप्पल सीईओ

**नई दिल्ली।**

अमेरिका में शुल्क दरों पर अस्थिरता के बीच ऐपल ने अपनी बिक्री सप्लाई चेन को बदलने का निर्णय लिया है। टिम कुक, एप्पल के सीईओ, ने शुक्रवार को घोषणा की कि अमेरिका में बिकने वाले अधिकतर आईफोन अब भारत से आयात किए जाएंगे। कुक ने कहा ` कि साइबर क्रिमिनल्स के खिलाफ भारत के उत्पादों के आयात को बढ़ावा देना हमारी टीम की मुख्य प्राथमिकता है। इस निर्णय के बाद, ऐपल ने यह भी घोषित किया कि अमेरिका में बिकने वाले लगभग सभी आईपैड, मैक, एप्पल वॉच और एयरपॉड अब वियतनाम से आयात किए जाएंगे। इसके विपरीत, चीन और अन्य बाजारों के लिए अधिक आईफोन बनाए जाएंगे। कुक ने कहा` कि हम जून तिमाही के बारे में अपनी उम्मीदें जताते हैं कि भारत से आयात किए जाने वाले अधिकतर आईफोन अब मौजूद होंगे। यह निर्णय अमेरिका के बाहर कुल उत्पाद बिक्री में सबसे अधिक हिस्सेदारी चीन की होगी। एप्पल का ऐतिहासिक रोजगार 29 मार्च 2025 को समाप्त हो गया और दूसरी तिमाही में 95.35 अरब अमेरिकी डॉलर का राजस्व प्राप्त हुआ। इसमें पिछले वर्ष में 90.75 अरब अमेरिकी डॉलर रहा था।

विशेष रूप से, मैक और आईपैड की बिक्री में अच्छी वृद्धि दर्ज की गई है। हालांकि, आईफोन की बिक्री में मार्च 2024 तिमाही में करीब दो प्रतिशत की कमी देखने के बाद दूसरी तिमाही में 46.84 अरब अमेरिकी डॉलर नोट की गई।

## अमेरिका ने सभी देशों से कहा- ईरान के साथ व्यापार न करें वरना...!

- यह धमकी भारत के ऊपर भी अपना असर डालेगी

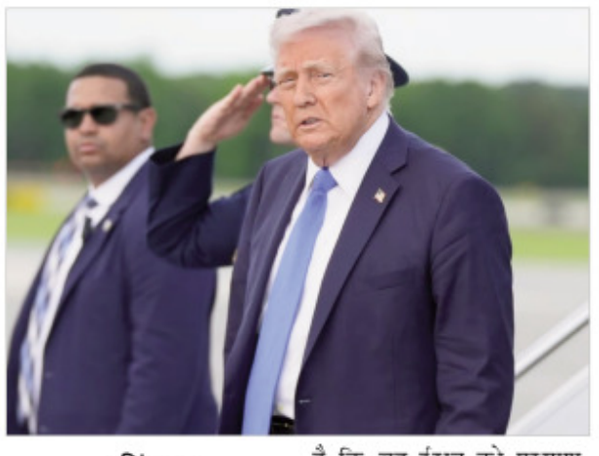

**वाशिंगटन।**

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के ऊपर अपनी धमकी को और बढ़ा दिया है। उन्होंने सभी देशों को ईरान के साथ व्यापार करने से रोकने की धमकी दी है। इसके अनुसार अगर कोई देश ईरान से कोई भी पेट्रोकेमिकल उत्पाद खरीदता है, तो उस पर अमेरिका द्वारा प्रतिबंध लगाया जाएगा। सोशल मीडिया पर ट्रंप ने ईरान को ऐसे खरीदारों के खिलाफ भी चेतावनी दी है जिन्होंने ईरान से माल खरीदा हो। यह धमकी भारत के ऊपर भी अपना असर डालेगी जैसे भारत ने ईरान से इस साल तेल खरीदा है। इस समय अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु समझौते पर तलवारें खिसकी हुई हैं। अमेरिका कह रहा है कि वह ईरान को परमाणु कार्यक्रम नहीं देगा, जबकि ईरान कह रहा है कि अमेरिका की शर्तें अव्यवहारिक हैं। इस मामले में ओमान की मध्यस्थता से नई बातचीत की उम्मीद है। अमेरिका ने इस समझौते पर काम शुरू किया है, जबकि ईरान के विदेश मंत्री ने सुनी है कि यदि अमेरिका अवास्तविक मांगों से बचता है तो समझौता हो सकता है। गर अमेरिका अपनी धमकी पर चलता है तो यह अमेरिका और चीन के बीच तनाव बढ़ा सकता है। चीन ईरान से अधिक तेल आयात करता है तो उसके बीच और तनाव उत्पन्न हो सकता है। बीच में अमेरिका की सरकार और ईरान के बीच बातचीत की जारी होनी चाहिए ताकि उचित समाधान हो सके।

## इनसाइडर ट्रेडिंग मामले में इंडसइंड बैंक को सेबी से मिली बड़ी राहत

- इंसाइडर ट्रेडिंग की जांच को बंद

**नई दिल्ली।**

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने इंडसइंड बैंक के पूर्व सीईओ सुमंत कथपलिया और डिप्टी सीईओ अरुण खुराना के खिलाफ चल रही इंसाइडर ट्रेडिंग की जांच को बंद कर दिया है। इनके सेशन के बाद कहा गया कि उनकी शेयर्स बेचने में कोई गड़बड़ी नहीं मिली। इस इस्तीफे के परिणाम स्वरूप, इंडसंड बैंक के शेयरों में मजबूती देखने को मिल रही है। संदीप पारिख, फिनसेक लॉ एडवाइजर्स के मैनेजिंग पार्टनर ने इस मुद्दे पर कहा कि इंसाइडर ट्रेडिंग को साबित करने के लिए विशिष्ट सबूतों की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि यह आम अभियान है कि कंपनी के अधिकारियों को शेयरों को बेचने की अनुमति मिलती है, लेकिन जब यह साबित नहीं होता कि इन्फॉर्मेशन सार्वजनिक होने से पहले बड़ी मात्रा में शेयरों की बिक्री की गई थी, तब इंसाइडर ट्रेडिंग सिद्ध होती है। सेबी ने कहा कि शेयर बिक्री कर्मचारी स्टॉक ओनरशिप प्लान के तहत वेस्ट होने के बाद की गई थी और सभी लेन-देन की सूची बाजार को समय पर बता दी गई थी, इसलिए इंसाइडर ट्रेडिंग का कोई सबूत नहीं मिला।

लेखा घोटाले के संदर्भ में, बैंक ने वित्तीय नुकसान करने वाले गलत लेखांकन के लक्षण दिखाए और इसका पता अक्टूबर 2024 में चलते चलते चला गया। सेबी ने इस याचिका को बंद कर दिया है, लेकिन बैंक के लिए उद्योग और प्रबंधन की चुनौती है। निवेशकों के लिए, यह जरूरी है कि वे खुद के निवेशों पर ध्यान दें और बैंक की स्थिति को ध्यान से देखें।

# शेयर पर सबकी नजरः टैंक-तोप बनाने का काम, अदाणी ग्रुप के स्टॉक्स रहेंगे हरकत में

**मुंबई।**

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच हालात टेंशन बढ़ती जा रही है। इस तरह के जियो-पॉलिटिकल टेंशन के दौरान स्टॉक मार्केट अक्सर दबाव के साथ काम करता है लेकिन भारतीय शेयर बाजार पर इसका ज्यादा असर देखने को नहीं मिल रहा है।

आज भी स्टॉक मार्केट की पॉजिटिव शुरुआत हो सकती है। उधर, सैन्य कार्रवाई की आशंका के चलते डिफेंस सेक्टर के शेयरों में तेजी देखने को मिल रही है। इनमें पारस डिफेंस, बीईएल और हिंद मझगांव डॉक जैसे शेयर शामिल है।

पारस डिफेंस शेयर ने अपने तिमाही नतीजे पेश किए हैं, इसलिए शेयर में आज तगड़ा एक्शन देखने को मिल सकता है।

इसके अलावा, आज अदाणी एंटरप्राइजेस, अदाणी पोर्ट्स, इंडस टॉवर, जिंदल स्टील एंड पॉवर और होम फर्स्ट फाइनेंस के शेयरों में भी हलचल देखने को मिल सकती है, क्योंकि इन कंपनियों ने अपने तिमाही नतीजे जारी कर दिए हैं। भारत-पाक तनाव के बीच डिफेंस सेक्टर की कंपनियों के शेयरों में पिछले कुछ दिनों से एक्शन देखने को मिल रहा है। इस बीच रक्षा क्षेत्र में काम करने वाली कंपनी पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजी ने अपने तिमाही नतीजे पेश किए। खास बात है कि भारत-पाकिस्तान में सैन्य तनाव के बीच पारस डिफेंस का शेयर पिछले 5 ट्रेडिंग सेशन में 22 फीसदी से ज्यादा चढ़ गया है, जबकि एक महीने में इस स्टॉक ने 34 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न दिया है।

# केरल पहुंचे पीएम मोदी ने विझिनजाम इंटरनेशनल डीपवाटर मल्टीपर्पज सीपोर्ट को राष्ट्र को सौंपा

## सीएम विजयन ने कहा पीएम मोदी की उपस्थित इस मौके को खास बनाती

**तिरुवनंतपुरम।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 8,900 करोड़ रुपये की लागत से तैयार विझिनजाम इंटरनेशनल डीपवाटर मल्टीपर्पज सीपोर्ट को राष्ट्र को सौंपा। तिरुवनंतपुरम में स्थित, गहरे समुद्र का बंदरगाह भारत का पहला समर्पित कंटेनर ट्रांसशिपमेंट हब है। यह केरल को वैश्विक नौसैनिक मानचित्र पर लेकर आता है। इस मौके पर मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन भी मौजूद रहे। केरल सरकार की इस महत्वाकांक्षी परियोजना को अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) द्वारा सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत तैया किया गया है। एपीएसईजेड द्वारा सार्वजनिक-निजी मॉडल के तहत सरकार के साथ साझेदारी में करीब 8,867 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित, इससे वैश्विक शिपिंग और व्यापार मार्गों में भारत की मौजूदगी को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। विझिनजाम बंदरगाह के उद्घाटन समारोह के दौरान केरल के सीएम विजयन ने पहलगाम आतंकवादी हमले पर बात की। उन्होंने कहा, मैं पिछले माह पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा बेरहमी से मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देकर शुरुआत करना चाहता हूं। उनकी क्षति हमें राष्ट्र विरोधी और विभाजनकारी ताकतों से अपने देश की रक्षा करने के लिए एकजुट रहने की याद दिलाती है। इस दौरान सीएम विजयन ने कहा, केरल सरकार और मेरी ओर से, मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हार्दिक स्वागत करता हूं, जो बंदरगाह का उद्घाटन के लिए अपना कीमती समय निकल कर यहां आए हैं। यह हम सभी के लिए गर्व का क्षण है। इस बंदरगाह का चालू होना आधुनिक युग की शुरुआत का प्रतीक है। पीएम मोदी की मौजदूगी इस मौके को और भी खास बनाती है और हम सभी के लिए बहुत खुशी लाती है। सीएम विजयन ने कहा, केरल के लोगों की ओर से, मैं फिर प्रधानमंत्री के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने इस ऐतिहासिक परियोजना को राष्ट्र को समर्पित करने के लिए हमारे राज्य का दौरा किया। मैं इस मिशन को उत्कृष्टता के साथ क्रियान्वित करने के लिए अडानी समूह को भी बधाई देता हूं।

## जब धर्म परिवर्तन कर लिया तो वह दलित कैसे? कोर्ट ने किया एससी-एसटी एक्ट का केस खारिज

**अमरावती।**

आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने अनुसूचित जाति समुदाय के लोगों के धर्म परिवर्तन को लेकर कहा कि अगर कोई अनुसूचित जाति का व्यक्ति धर्म परिवर्तन कर लेता है, तो उसका एससी का दर्जा खत्म हो जाता है। ऐसे में वह अनुसूचित जाति एवं जनजाति अधिनियम के तहत संरक्षण का दावा नहीं कर सकता है। हाईकोर्ट के एकल पीठ के जस्टिस हरिनाथ ने गुंटूर जिले के रहने वाले अक्कला रामी नाम के शख्स की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह बयान दिया। अक्कला पर आरोप था कि उसने हिंदू से ईसाई बने एक चिंतादा नामक शख्स को जातिसूचक गालियां दी। अक्कला के वकील ने कोर्ट में दावा किया कि चिंतादा ने दावा किया है कि वह एक स्थानीय चर्च में पादरी है। उसने एक दशक से भी ज्यादा समय पहले अपनी मर्जी से धर्म बदल लिया था। अब जब ईसाई धर्म जाति व्यवस्था को मान्यता नहीं देता है, तो फिर एससी-एसटी एक्ट का कोई मतलब ही नहीं रह जाता। जस्टिस हरिनाथ ने कहा कि जब चिंतादा खुद ही कह रहा है कि वह पिछले 10 सालों से ईसाई धर्म का पालन कर रहा है, तो पुलिस को आरोपी के ऊपर एससी एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज नहीं करना चाहिए था। जस्टिस ने अक्काला के वकील के तर्क को मानते हुए कहा कि एससी-एसटी एक्ट उन समुदायों से जुड़े व्यक्तियों की रक्षा के लिए हैं न कि धर्म परिवर्तन करने वाले लोगों के लिए। इसके बाद जस्टिस हरिनाथ ने आरोपी पर लगा केस खारिज कर दिया। बता दें संविधान में भी अनुसूचित जाति 1950 के मुताबिक केवल भारत में पैदा हुए धर्मों हिंदू, सिख, बौद्धों के अनुसूचित जाति समुदायों को ही मान्यता प्राप्त है। अगर कोई इन धर्मों में है, तो उसे अनुसूचित जाति में माना जाएगा। वहीं अगर कोई मुस्लिम या ईसाई धर्म अपनाता है, तो उसका यह दर्जा खत्म हो जाता है। केंद्र सरकार ने भी 2022 में सुप्रीम कोर्ट में यह हलफनामा दायर किया था कि ऐसे लोगों को आरक्षण नहीं दिया जा सकता क्योंकि यह इस धर्म को अपनाते ही इसलिए हैं ताकि उन्हें छुआ-छूत का सामना न करना पड़े। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अगर कोई ईसाई या मुस्लिम व्यक्ति केवल आरक्षण का लाभ लेने के लिए वापस अपने धर्म को बदलता है तो यह संविधान के साथ धोखा होगा। ऐसे में उसे अगर एससी का दर्जा प्राप्त करना है तो उसे विश्वसनीय प्रमाण पत्र और समुदाय की स्वीकृति की जरुरत होगी।

## आईआईसीटी को वैश्विक स्तर की सात प्रमुख कंपनियों का मिल रहा सहयोग

### -केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मुंबई में वेव्स समिट में दी यह जानकारी

**नई दिल्ली।**

केंद्र सरकार द्वारा स्थापित भारतीय क्रिएटिव टेक्नोलॉजी संस्थान (आईआईसीटी) को वैश्विक स्तर की सात प्रमुख कंपनियों गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, एनवीडिया, एप्पल, मेटा, स्टार इंडिया और एडोबी का सहयोग मिला है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मुंबई में वेव्स समिट में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आईआईसीटी को एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी क्षेत्र के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि यह संस्थान उद्योग जगत के साथ मिलकर देश के युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करेगा। भारत में लगभग चार करोड़ क्रिएटर्स हैं और वेव्स समिट में 60 देशों के एक लाख से ज्यादा क्रिएटर्स ने हिस्सा लिया। वैष्णव ने कहा कि रचनात्मकता की दुनिया गहन परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। इस वेव्स समिट का उद्देश्य दुनिया भर के रचनाकारों को एक मंच पर लाना है। उन्होंने कहा कि इससे नई प्रौद्योगिकियों के बारे में जानकारी मिलेगी। वेव्स सृजनकर्ताओं को निवेशकों, उत्पादकों और खरीददारों से जोड़ेगा। इससे नए आर्थिक अवसर पैदा होंगे। आईआईसीटी का पहला चरण मुंबई के पेडर रोड स्थित एनएफडीसी इमारत में हुआ, जबकि दूसरा चरण गोरेगांव की फिल्मसिटी में 10 एकड़ में विकसित किया जाएगा।

## जाति जनगणना कराने का पीएम मोदी ने सही समय पर सही फैसला लिया

### चिराग बोले- विपक्ष ने इसे केवल राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया

**पटना।**

केंद्रीय मंत्री और लोजपा (आरवी) नेता चिराग पासवान ने जाति जनगणना की घोषणा के लिए पीएम मोदी की तारीफ की है। पासवान ने इस फैसले का श्रेय लेने के लिए विपक्षी दलों की आलोचना की और कहा कि विपक्ष ने इसे केवल राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जबकि पीएम मोदी ने सही समय पर सही फैसला लिया है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी इसका श्रेय लेना चाहते हैं और कह रहे हैं कि मेरे दबाव में ऐसा हुआ। पासवान ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी की बात तो छोड़िए, आपके परिवार से तीन लोग देश के पीएम बने। अगर आप देश में जाति आधारित जनगणना कराना चाहते थे तो आपको पहले ही करवा लेना चाहिए था। लेकिन आपने इसे राजनीतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया और लोगों की भावनाओं को भड़काने का ही काम किया। आज हमारी सरकार ने इस मांग को पूरा किया है। विपक्ष कह रहा है कि हमने यह फैसला बिहार चुनाव को देखते हुए लिया है, लेकिन अगर यह फैसला चुनाव के नजरिए से लेना होता तो हम यह फैसला लोकसभा चुनाव से पहले ले सकते थे। पासवान ने कहा कि हमने यह फैसला लिया है और अभी और काम करना बाकी है।

राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कई अहम मुद्दे हैं जिन पर हमें काम करना है। उन्होंने कहा कि यह एक बहुत बड़ा और ऐतिहासिक फैसला है और इसके लिए मैं अपनी पार्टी लोक जनशक्ति (रामविलास) की तरफ से पीएम मोदी को धन्यवाद देता हूं। आज मेरे प्रधानमंत्री ने हमारी वह मांग पूरी कर दी है जो लंबे समय से लंबित थी।

## ओबीसी समाज को लेकर कांग्रेस और भाजपा की नीयत व नीति हमेशा से खराबः मायावती

**लखनऊ।**

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम मायावती जातीय जनगणना को लेकर हमलावर हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एवं भाजपा की नीयत व नीति बहुजन समाज के प्रति सही होती तब ओबीसी समाज देश के विकास में उचित भागीदार बना होगा। बसपा प्रमुख मायावती ने लिखा कि काफी लंबे समय तक ना-ना करने के बाद अब केंद्र द्वारा जातीय जनगणना कराने के निर्णय का भाजपा व कांग्रेस आदि द्वारा श्रेय लेकर खुद को ओबीसी हितैषी सिद्ध करने की होड़, जबकि इनके बहुजन-विरोधी चरित्र के कारण ये समाज अभी भी पिछड़ा, शोषित व वंचित रहा है। उन्होंने लिखा कि कांग्रेस एवं भाजपा की नीयत व नीति बहुजन समाज के प्रति पाक-साफ होती, तब ओबीसी समाज देश के विकास में उचित भागीदार बन गया होता, जिससे इनके मसीहा बाबासाहेब डा. भीमराव अंबेडकर का आत्म-सम्मान व स्वाभिमान का मिशन सफल होता हुआ जरूर दिखता। मायावती ने लिखा कि बाबासाहेब एवं बीएसपी के लगातार संघर्ष के कारण ओबीसी समाज आज जब काफी हद तक जागरूक है, तब दलितों की तरह ओबीसी वोटों के लिए लालायित इन पार्टियों में इनका हितैषी दिखने का स्वार्थ व मजबूरी है, अर्थात् स्पष्ट है कि ओबीसी का हित बीएसपी में ही निहित है, अन्यत्र नहीं। उन्होंने कहा कि वोट हमारा राज तुम्हारा-नहीं चलेगा के मानवतावादी संघर्ष को सही व सार्थक बनाकर अपने पैरों पर खड़े

होने का समय करीब है, जिसके लिए कोताही व लापरवाही घातक तथा भाजपा व कांग्रेस आदि पार्टियों पर दलित, ओबीसी समेत बहुजन-हित, कल्याण व उत्थान हेतु भरोसा करना ठीक नहीं है। इसके पहले मायावती ने कहा कि देश में मूल जनगणना के साथ ही जातीय जनगणना करने का केंद्र द्वारा आज लिया गया फैसला काफी देर से उठाया गया सही दिशा में कदम है। इसका स्वागत है। बीएसपी इसकी मांग काफी लंबे समय से करती रही है।

## यूपी में अवैध अपंजीकृत मदरसों और धार्मिक संरचनाओं के खिलाफ प्रशासन कर रहा कार्रवाई

**पीलीभीत।**

राज्य सरकार ने नेपाल की सीमा से सटे यूपी के जिलों श्रावस्ती, बहराइच, बलरामपुर, पीलीभीत, सिद्धार्थनगर और महाराजगंज में अवैध मदरसों और अतिक्रमणों पर अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। सीएम योगी के निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस और राजस्व अधिकारियों की संयुक्त टीमें सरकारी जमीन पर अवैध रूप से बने अपंजीकृत मदरसों और धार्मिक संरचनाओं को निशाना बना रही है। अब तक सैकड़ों ऐसे अतिक्रमणों की पहचान की गई है, उन्हें सील किया गया है या ध्वस्त कर दिया है। श्रावस्ती में गुरुवार को पांच और मदरसे सील किए गए, जिससे कुल संख्या 41 हो गई। भरथा और रोशन गढ़ गांवों में अवैध मस्जिदों को हटाया गया। बलरामपुर में नियमों का पालन न करने वाले 20 मदरसों को बंद कर दिया है। तीन अवैध मजारों को ध्वस्त कर दिया और एक ईदगाह की जांच की जा रही है। पीलीभीत और बहराइच में भी ताजा कार्रवाई हुई। अकेले बहराइच में अब तक 135 अतिक्रमण हटाए जा चुके हैं। सिद्धार्थनगर में अधिकारियों ने 17 अवैध धार्मिक संरचनाओं के खिलाफ कार्रवाई की, जिनमें तीन

मस्जिदें और 14 अपंजीकृत मदरसे शामिल हैं। यह अभियान विशेष रूप से उन मदरसों को लक्षित करता है जो सरकारी मान्यता के बिना चल रहे हैं या आवश्यक मानकों को पूरा करने में विफल रहे, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें बंद कर दिया गया है। इसके अलावा, उचित कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए सरकारी भूमि पर बने अनधिकृत धार्मिक ढांचों को ध्वस्त किया जा रहा है। बलरामपुर जिले में आठ मदरसों को नोटिस जारी किया गया, जबकि मजारों पर स्थित तीन अवैध संरचनाओं को ध्वस्त कर दिया गया। पांच और संरचनाओं के लिए भी नोटिस जारी किए गए।

## दिल्ली-एनसीआर में अगले कुछ दिनों तक मौसम खुशनुमा रहेगा, गर्मी से मिलेगी लोगों को राहत

**नई दिल्ली।**

दिल्ली-एनसीआर में अगले कुछ दिनों तक गर्मी से राहत रहेगी और मौसम खुशनुमा रह सकता है। लेकिन दिल्ली में बारिश से जलभराव और तेज हवा की वजह से पेड़-खंभे आदि उखड़ने के कारण मुश्किलों का भी सामना करना पड़ सकता है। शुक्रवार के लिए मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी किया है, तब आने वाले कुछ दिनों में आसमान में बादलों का डेरा रहेगा। कम से कम 8 मई तक तक मौसम गीला-गीला ही रहेगा है। भारतीय मौसम विभाग ने तेज बारिश और 50 की स्पीड से हवा चलने की आशंका जाहिर की है, इसकी शुरुआत सुबह से हुई। दिल्ली-एनसीआर में कई जगहों पर भारी, कहीं-कहीं मध्यम दर्जे की बारिश हुई है। तेज हवा चलने की वजह से कई जगह पेड़ और खंभे उखड़ गए हैं। द्वारका में ट्यूबवेल वाले घर पर पेड़ गिर जाने से तीन बच्चों और उनकी मां की मौत हो गई। मौसम विभाग की भविष्यवाणी के मुताबिक, रविवार 3 मई को दिल्ली एनसीआर में आसमान में बादल छाए रहने की संभावना है। 50 की स्पीड से तूफानी हवा चलेगी है। तापमान 25 से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। 3 मई के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। सोमवार 4 मई को भी दिल्ली-एनसीआर में मौसम गीला-गीला रह सकता है। गरज के साथ हल्की बारिश हो सकती है। 30-40 की स्पीड से हवा भी चलेगी। 5 मई को भी आसमान में बादल छाए रहने की संभावना है। हल्की बारिश हो सकती है और 30-40 की स्पीड से हवा चलेगी। उस दिन न्यूनतम तापमान 25-27 और अधिकतम 35-37 डिग्री रहने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक 6 मई को भी मौसम कूल बना रहेगा। 30-40 की स्पीड से हवा चलने का क्रम जारी रहेगा। न्यूनतम तापमान 24 डिग्री और अधिकत 36 तक रहने

की संभावना है। 7 मई को आसमान में बादल छाए रहने की संभावना है। बहुत हल्की बारिश हो सकती है। बादलों की गरज भी जारी रहेगी। 30-40 की स्पीड से तेज हवा चलेगी। तापमान 6 मई जैसा ही रहेगा। 8 मई को भी हल्की बारिश की संभावना है।

## बाबा साहेब की मूर्ति तोड़ने पर कार्रवाई नहीं होने पर हाईकोर्ट ने पुलिस को फटकारा

**सिवनी।**

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने पुलिस से स्पष्टीकरण मांगा है कि दो महीने पहले सिवनी जिले में डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त करने के मामले में अब तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं की। मुख्य न्यायाधीश एसके कैत और न्यायमूर्ति विवेक जैन की खंडपीठ ने सिवनी कलेक्टर और राज्य सरकार को नोटिस जारी कर घटना के संबंध में उनसे जवाब मांगा है। कोर्ट एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी, याचिका में आरोप लगाया गया है कि 10 फरवरी को प्रतिष्ठित समाज सुधारक और संविधान निर्माता डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त करने की घटना में अब तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। पीठ ने आदेश दिया कि प्रतिवादियों-सिवनी के पुलिस अधीक्षक और सिवनी के धूमा थाने के प्रभारी द्वारा एक हलफनामा दायर किया जाए, जिसमें यह बताया जाए कि कार्रवाई क्यों नहीं की। याचिकाकर्ता के

वकील ने बताया कि कोर्ट ने मामले की सुनवाई 7 मई तय की है, तब तक हलफनामे दाखिल करने होंगे। कोर्ट ने कहा कि यह स्पष्ट किया जाता है कि यदि कार्रवाई पहले ही की जा चुकी है, तो उस संबंध में हलफनामा धूमा थाने के प्रभारी द्वारा दाखिल किया जाएगा। सिवनी निवासी जितेंद्र अहिरवार द्वारा दायर जनहित याचिका के मुताबिक मूर्ति तोड़े जाने के बाद 10 फरवरी की रात को अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

## संक्षिप्त समाचार

### एनटीए ने 122 सोशल मीडिया अकाउंट को बंद करने की अनुशंसा की

**नई दिल्ली।**

राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी एनटीए ने अफवाह फैलाने वाले 106 टेलीग्राम चैनल तथा 6 इंस्टाग्राम के चैनल को बंद करने की अनुशंसा की है। 122 सोशल मीडिया के चैनल नीट परीक्षा को लेकर लगातार अपवाह फैलाने का काम कर रहे हैं। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को जानकारी देते हुए, सभी 122 चैनलों को बंद करने के लिए अनुशंसा का पत्र भेजा है। यह चैनल परीक्षा के संबंध में गलत सूचना और गलत रिपोर्टिंग कर रहे हैं। इस तरह के चैनलों की लगातार शिकायतें एनटीए को मिल रही हैं।जिसके कारण परीक्षार्थियों को गलत सूचना मिल रही है। राजस्थान पुलिस ने भी एक एडवाइजरी जारी की है। जिसमें इस तरह के धोखेबाजों से सावधान रहने को कहा गया है। अभी तक पेपर लीक की लगभग 1500 शिकायतें एनटीए को प्राप्त हो चुकी हैं।

### जातिगत जनगणना पर राहुल गांधी का सरकार से सवाल– बताएं समयसीमा

**नई दिल्ली।**

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार से आगामी जनगणना में जातिगत गणना को शामिल करने के फैसले पर स्पष्ट समयसीमा बताने की मांग की है। उन्होंने कहा कि केंद्र ने भले ही इस दिशा में घोषणा की हो, लेकिन इसके क्रियान्वयन को लेकर अब भी संशय बरकरार है। राहुल गांधी ने चेताया कि कहीं यह फैसला भी महिला आरक्षण विधेयक की तरह ठंडे बस्ते में न चला जाए। पिछले दिनों राहुल गांधी ने अपने एक बयान में कहा, कि सरकार ने जातिगत गणना को लेकर 11 साल तक विरोध किया। अब अचानक यह फैसला लिया गया है, जो स्वागत योग्य है। लेकिन सवाल यह है कि इसे लागू कब किया जाएगा? सरकार को इसकी स्पष्ट समयसीमा घोषित करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लगातार अभियान और दबाव का ही नतीजा है कि सरकार को इस मुद्दे पर झुकना पड़ा। लेकिन अब यह जरूरी है कि कागजों से निकलकर यह कदम ज़मीनी हकीकत में बदले। यहां बताते चलें कि कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की आज शुक्रवार शाम बैठक होने जा रही है, जिसमें दो प्रमुख मुद्दों पर चर्चा होगी। इनमें पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर सख्त कार्रवाई की मांग और दूसरा मुद्दा जातिगत जनगणना के लिए समयसीमा और धनराशि आवंटन है।

### सीबीएसई बोर्ड रिजल्ट को लेकर भ्रम खत्म, जानिए कब आ सकता है 10वीं-12वीं का परिणाम

**नई दिल्ली।**

सीबीएसई बोर्ड परीक्षाओं के नतीजों को लेकर छात्रों और अभिभावकों में उत्सुकता चरम पर है। सोशल मीडिया पर हाल ही में यह अफवाह तेजी से फैली कि सीबीएसई 10वीं और 12वीं का रिजल्ट 2 मई को जारी होगा, लेकिन बोर्ड ने इस खबर को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। सीबीएसई ने एक आधिकारिक नोटिस जारी कर स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया पर चल रही यह सूचना फर्जी है और किसी तरह की आधिकारिक पुष्टि अब तक नहीं की गई है। बोर्ड से जुड़े सूत्रों के अनुसार, रिजल्ट की तैयारी अंतिम चरण में है और संभावना जताई जा रही है कि मई के दूसरे सप्ताह में सीबीएसई 10वीं और 12वीं का रिजल्ट जारी कर सकता है। इसके साथ ही, बोर्ड द्वारा अगले कुछ दिनों में आधिकारिक तारीख की घोषणा भी की जा सकती है। सीबीएसई अधिकारी के हवाले से बताया जा रहा है कि रिजल्ट की तारीख अभी तय नहीं की गई है। छात्रों और अभिभावकों से अनुरोध किया गया है कि वे केवल सीबीएसई की आधिकारिक वेबसाइटों पर ही भरोसा करें और अफवाहों से बचें। बताते चलें कि पिछले साल 2024 में 13 मई को नतीजे घोषित किए गए थे।

### मध्यप्रदेश में बारातियों का वाहन पलटा, चार की मौत, 13 घायल

**विदिशा।**

मध्यप्रदेश के विदिशा जिले में शुक्रवार को तड़के बारातियों को ले जा रहा वाहन पलटने से चार लोगों की मौत हो गई और 13 घायल हो गए। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी। मीडिया रिपोर्ट में विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने बताया कि यह हादसा सुबह तड़के तीन बजे लटेरी कस्बे के पास हुआ, जब बारातियों को ले जा रही एक जीप इंदौर से सिरोंज लौट रही थी। उन्होंने बताया कि घायलों में से एक की हालत गंभीर होने पर उसे भोपाल रेफर कर दिया गया है, जबकि अन्य का इलाज विदिशा और लटेरी के अस्पतालों में चल रहा है। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। मध्यप्रदेश के सीएम मोहन यादव ने घटना पर दुख जताया।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक कजोड़मल मीना के लिए स्काईटक प्रिन्टर्स, 111, नवाब कल्लन का बाग, एमएलए क्वार्टर, नीयर समाचार जगत, एमआई रोड, जयपुर से मुद्रित एवं 303, भव्य टॉवर, कबीर मार्ग, बनीपार्क जयपुर से प्रकाशित।
(इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी) समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्राधिकार जयपुर शहर होगा। मो. नं. 9928078717